BA-1, Paper-2 (Comparative Politics)
TOPIC - Switzerland legislature (स्वीस व्यवस्थापिका)
Date - 20.05.2020
Seema Kumari, Asst. Prof. (Pol. Sc.), RMC (Sasaram).

स्वीटजरलैंड विविधताओं का देश है। यहां पर विधायिका को संघीय सभा कहते हैं इसके दो सदन होते हैं। निम्न सदन को राष्ट्रीय परिषद तथा ऊपरी सदन को राज्य परिषद कहा जाता है। इसकी राजनीतिक व्यवस्था उदार लोकतंत्रीय है और राजनीतिक संरचना संघात्मक है। इस देश का राजनीतिक नाम ही 'स्विस परिसंघ' है।

स्वीटजरलैंड अनेक राजनीतिक प्रभागों में बंटा है जिन्हें 'कैंटन' कहा है। स्विस परिसंघ ऐसे 20 कैंटनों और 6 अर्ध कैंटनों का संघ है। प्रत्येक कैंटन का अपना संविधान अपनी विधानसभा और अपनी-अपनी सरकार है। कैंटनों के निचले स्तर पर कम्यून है, इसकी जन-संख्या 20 से लेकर 3,50,000 तक है। कम्यून सभाओं और परिपृच्छा के माध्यम से वहां 'प्रत्यक्ष लोकतंत्र' को बढ़ावा दिया जाता है।

(निम्न सदन) राष्ट्रीय परिषद - सदस्य संख्या 200 है। स्विस संविधान के Act 72 के अनुसार रा०परि० स्विस जनता की प्रतिनिधि सभा है इसमें 24,000 जनसंख्या पर एक प्रतिनिधि चुना जाता है। चुनाव गुप्त मतदान द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार होता है। 20 वर्ष से अधिक आयु वाले स्त्री पुरुष को चुनाव में उम्मीदवार बनने तथा मत देने का अधिकार प्राप्त है। पादरी, फेडरल सरकार के कर्मचारी

Scanned with CamScanner

राज्य परिषद (federal council) का सदस्य राष्ट्रीय परि० के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते। राष्ट्रीय परि० का कार्यकाल 4 वर्ष का है। प्रत्येक 4 वर्ष पश्चात अक्टूबर माह के अंतिम रविवार को रा० परि० का चुनाव होता है। प्रतिवर्ष इस सदन की मार्च, जून, सितंबर और दिसंबर में होती है। रा० परिषद का असाधारण अधिवेशन 5 कैंटनों या संघीय सभा के 1/4 सदस्यों की मांग पर बुलाई जा सकती है। रा० परि की बैठकों के लिए गणपूर्ति 101 रखी गई है।

अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष :— रा० परिषद को अपना अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनने का अधिकार है।

अध्यक्ष के कार्य - 1. सदन की बैठकों की अध्यक्षता।
2. निर्णायक मत देने का अधिकार
3. अध्यक्ष द्वारा सदन में शांति एंव व्यवस्था कायम रखी जाती है।
4. वह सदन की मान मर्यादा की रक्षा करता है।
5. वह सदस्यों के व्यक्तिगत तथा सदन के सामूहिक विशेष अधिकारों की रक्षा करता है।

दोनों सदनों की कार्यों एंव संशक्तियों का वर्णन एक साथ किया गया है।

राज्य परिषद - (उच्च सदन) राज्य परि में कैंटनों को समान प्रतिनिधित्व दिया गया है। प्रत्येक पूरे कैंटन को राज्य परिषद में 2 प्रतिनिधि और प्रत्येक अर्द्धकैंटन को एक प्रतिनिधि भेजने का अधिकार दिया गया है। वर्तमान में राज्य परिषद के सदस्यों की कुल संख्या 44 है क्योंकि स्वीटजरलैंड में 19 पूरे कैंटन और 6 अर्द्ध कैंटन हैं।

Scanned with CamScanner

संविधान में राज्य परिषदों के सदस्यों के निर्वाचन की विधि का उल्लेख नहीं किया गया है। यह कैंटनों की इच्छा पर छोड़ दिया गया है। कैंटनों द्वारा विविध पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है। 17 कैंटन राज्य परिषद में अपने प्रतिनिधि ~~राज्य~~ जनता के प्रत्यक्ष मतदान द्वारा चुनकर भेजते हैं, 4 कैंटन जनसभाओं द्वारा (referendum) तथा 4 कैंटन अपने विधानमंडलों द्वारा चुनकर भेजते हैं।

अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष - अपने सदस्यों में से ही प्रत्येक साधारण तथा असाधारण अधिवेशन के लिए एक अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष चुनने का अधिकार है। एक वर्ष जिस कैंटन का ~~एक~~ सदस्य अध्यक्ष होता है दूसरे वर्ष वहां से नहीं चुना जाता है। बैठकों की अध्यक्षता की जाती है, निर्णायक मत देने, सदन की कार्यवाही को नियमानुसार आदि कार्य अध्यक्ष द्वारा किए जाते हैं।

To be continued in next slip

Scanned with CamScanner